नाम :	
अनुक्रमांक :	
कक्षा एवं वर्ग	

ए॰ पी॰ जे॰ विद्यालय

समन्वित वार्षिक परीक्षा, 2019-20

हिंदी - (ब)

समय : 3 घंटे | कक्षा – नवीं | पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग और घ। चार खंडों के उत्तर देना अनिवार्य है।
2. प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः दीजिए।
3. इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न हैं। सभी के अंक उनके सामने अंकित हैं।

खण्ड- 'क'

प्र॰1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (9)

पर्यावरण प्रदूषण वह स्थिति है, जिसके अंतर्गत प्राकृतिक चक्र और हमारा पर्यावरण बिगड़ जाता है, जो हमारे लिए काफी हानिकारक है। इसमें कुछ हानिकारक तत्त्व जो धुएँ, ठोस या तरल अपशिष्ट के रूप में इकट्ठा हो जाते हैं, वह हमारे पर्यावरण के लिए काफी हानिकारक होते हैं। इसके अलावा ऐसे कुछ बुरे रासायनिक तत्त्व जो हमारे पर्यावरण को क्षति पहुँचाते हैं और हमारे प्राकृतिक कार्यों में भी बाधा उत्पन्न करते हैं। केवल मनुष्य ही है, जो अपनी बुरी गतिविधियों को रोककर पर्यावरण प्रदूषण की समस्या पर लगाम लगा सकता है। इसके साथ ही और भी ज्यादा मात्रा में पेड़ों को लगाकर भी पर्यावरण प्रदूषण को रोका जा सकता है। इसी तरह वाहनों का उपयोग कम करके, वस्तुओं की पुनरुपयोग और पुनरावृत्ति करना भी प्रदूषण को रोकने में काफी सहायक हो सकता है। लगातार कटते जा रहे पेड़, वाहनों के बढ़ते प्रयोग, तेजी से हो रहा शहरीकरण और औद्योगीकरण तथा दूसरे बड़े स्तर पर हो रहे कार्यों के कारण हमारे पर्यावरण पर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। इन जहरीले और नुकसानदायक कचरों के कारण भूमि, वायु और जल में परिवर्तन होता है, जिसके कारण

हमारे सामान्य जीवन में कई तरह की समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं। मनुष्य अपने स्वार्थ और इच्छाओं को पूरा करने के लिए पर्यावरण पर प्रदूषण का भार दिन-प्रतिदिन बढ़ाता ही जा रहा है। वायु, जल और भूमि प्रदूषण वह सबसे खतरनाक तरीके के प्रदूषण है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। आज के समय में न तो हमारे पास पीने का शुद्ध पानी है। न ही साँस लेने के लिए स्वच्छ वायु और न ही फसल उगाने के लिए प्रदूषण मुक्त भूमि है। मानव स्वार्थ और आज़ादी के दुरुपयोग के कारण हमने प्राकृतिक संसाधनों का काफी दोहन किया है। अपने इस ग्रह पर हमें भविष्य में स्वस्थ जीवन को बनाये रखने के लिए इन तेजी से फैल रहे प्रदूषणों को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। अगर हम अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अच्छा पर्यावरण चाहते हैं तो हमें इसके लिए कड़े कदम उठाते हुए प्रदूषण को रोकने की आवश्यकता है ताकि पृथ्वी को एक सुंदर और समृद्ध स्थान बनाया जा सके।

(क) पर्यावरण प्रदूषण का क्या अर्थ है? (2)

(ख) मनुष्य प्रदूषण की रोकथाम के लिए क्या प्रयास कर सकता है? (2)

(ग) प्रदूषण के क्या दुष्परिणाम हैं? (2)

(घ) प्रदूषण को नियंत्रित करने की आवश्यकता क्यों है? (2)

(ङ) हमने प्राकृतिक संसाधनों का दोहन क्यों किया है? (1)

प्र॰2 प्रस्तुत पद्यांश पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (6)

आज जीत की रात
पहरुए! सावधान रहना
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना
प्रथम चरण है नए स्वर्ग का
है मंजिल का छोर
इस जनमंथन से उठ आई
पहली रत्न-हिलोर
अभी शेष है पूरी होना

जीवन-मुक्ता-डोर
क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की
विगत साँवली कोर
ले युग की पतवार
बने अम्बुधि समान रहना
विषम शृंखलाएँ टूटी हैं
खुली समस्त दिशाएँ
आज प्रभंजन बनकर चलतीं
युग-बंदिनी हवाएँ
प्रश्न चिह्न बन खड़ी हो गई
यह सिमटी सीमाएँ
आज पुराने सिंहासन की
टूट रही प्रतिमाएँ
उठता है तूफ़ान, इन्दु! तुम
दीप्तिमान रहना।
ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है
शोषण से है मृत समाज
कमज़ोर हमारा घर है
किन्तु आ रहा नई जिंदगी
यह विश्वास अमर है
जन-गंगा में ज्वार,
लहर तुम प्रवहमान रहना
पहरुए! सावधान रहना।

(क) प्रस्तुत पंक्तियाँ देश की कौन-सी बड़ी सुखद घटना की ओर संकेत करती हैं? (2)

(ख) कवि पहरुए को दीपक के समान बने रहने को क्यों कहता है? (2)

(ग) कवि को कौन-कौन सी बातें भयभीत कर रही हैं? (2)

अथवा

छिप छिप अश्रु बहाने वालों,
मोती व्यर्थ लुटाने वालों
कुछ सपनों के मर जाने से जीवन नहीं मरा करता है।
सपना क्या है, नयन सेज पर
सोया हुआ आँख का पानी
और टूटना है उसको ज्यों
जागे कच्ची नींद जवानी
गीली उमर बनाने वालों, डूबे बिना नहाने वालों
कुछ पानी के बह जाने से सावन नहीं मरा करता है।
माला बिखर गई तो क्या है,
खुद ही हल हो गयी समस्या
आँसू गर नीलाम हुए तो
समझो पूरी हुई तपस्या
रूठे दिवस मनाने वालों, फटी कमीज सिलाने वाले
कुछ दीपक के बुझ जाने से आँगन नहीं मरा करता है।
खोता कुछ भी नहीं यहाँ पर
केवल जिल्द बदलती पोथी
जैसे रात उतार चाँदनी
पहने सुबह धूप की धोती
वस्त्र बदलकर आने वाले, चाल बदलकर जाने वालों
चंद खिलौनों के खोने से बचपन नहीं मरा करता है।
लाखों बार गगरिया फूटी

शिकन न आयी पर पनघट पर
लाखों बार किश्तियाँ डूबीं
चहल पहल वो ही है घाट पर
तम की उमर बढ़ाने वालों लौ की उमर घटाने वालों
लाख करे पतझड़ कोशिश पर उपवन नहीं मरा करता है।

(क) कवि के अनुसार सपना क्या है? (2)

(ख) कवि इस कविता में किन लोगों को संदेश देना चाहते हैं? (2)

(ग) बचपन और सावन न मरने का क्या अर्थ है? (2)

खण्ड- 'ख'

प्र०3 (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण-विच्छेद करिए- (2)

वृक्ष, प्रतिपाद्य, सामीप्य

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार/अनुनासिक का प्रयोग कीजिए- (2)

सतोष, सवाद, छाव, परछाइया

(ग) किसी एक शब्द में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए- (1)

जालिम, तूफान

प्र०4 निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं तीन शब्दों में मूल शब्द, उपसर्ग अथवा प्रत्यय अलग करके लिखिए- (3)

प्रवास, लाइलाज, ऐतिहासिक, रंगीला

प्र०5 (क) किन्हीं दो शब्दों की संधि कीजिए- (2)

पित्र + आदेश, सु + आगत, चे + अन

(ख) किन्हीं दो शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए- (2)

नाविक, वेदांत, सख्यागमन

प्र०6 निम्नलिखित वाक्यों में किन्हीं तीन वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए- (3)

(क) अरे तुम कहाँ थे

(ख) गोदान प्रेमचंद का प्रसिद्ध उपन्यास है

(ग) राजा चौंककर तुम कहाँ रहते हो

(घ) रीमा पढ़ते पढ़ते सो गई

खण्ड- 'ग'

प्र०7 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** (2+2+1=5)

(क) बुढ़िया के दु:ख को देखकर लेखक को अपने पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद क्यों आई? दु:ख का अधिकार पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) लोग कीचड़ की उपेक्षा क्यों करते हैं?

(ग) दोपहर के भोजन को कौन-सी गरिमा प्रदान की गई? **'तुम कब जाओगे अतिथि'** पाठ के आधार पर लिखिए।

प्र०8 **'शुक्र तारे के समान'** पाठ के आधार पर महादेव भाई की लिखावट की विशेषताएँ बताइए। (5)

अथवा

'अब तो आपका पूजा-पाठ न देखा जाएगा, आपकी भलमनसाहत की कसौटी केवल आपका आचरण होगा'- **'धर्म की आड़'** पाठ के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र०9 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** (2+2+1=5)

(क) मोती, मानुष, चून के संदर्भ में पानी के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(ग) रैदास ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है?

प्र०10 **'एक फूल की चाह'** कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए। (5)

अथवा

कवि हरिवंशराय बच्चन अपनी कविता **'अग्नि पथ'** में मानव को क्या संदेश देना चाहते हैं?

प्र०11 (क) 'हामिद खाँ' कहानी के लेखक ने किस प्रकार हिंदू-मुस्लिम सौहार्द की भावना को अभिव्यक्त किया है? (3)

अथवा

'फल तो किसी दूसरी शक्ति पर निर्भर है'- स्मृति पाठ के आधार पर लेखक क्या कहना चाहते हैं? अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) महिसागर नदी के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य था? 'दिये जल उठे' पाठ के आधार पर लिखिए। (2)

खण्ड- 'घ'

प्र०12 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए- (5)

(क) अवसर को मत खोइए

- जीवन में अवसर का महत्त्व
- सफलता का मंत्र
- अवसर का सदुपयोग
- बुद्धिमान की पहचान

(ख) बचत : सुखी जीवन का आधार

- बचत का अर्थ एवं स्वरूप
- सुखी भविष्य के लिए आवश्यक
- विपरीत परिस्थितियों में सहायक
- उपसंहार

(ग) बाग-बगीचे : हमारे सुरक्षा कवच

- बाग-बगीचों की आवश्यकता व लाभ
- हमारा कर्त्तव्य
- निष्कर्ष

प्र०13 अपने छोटे भाई को नियमित रूप से पढ़ने के लाभ बताते हुए पत्र लिखिए। (5)

अथवा

अपनी रोमांचक वायुयान यात्रा का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

प्र०14 **ऑड और ईवन योजना** की सार्थकता के विषय पर दो मित्रों के बीच संवाद लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए। (5)

अथवा

आपका नाम अनिल है, अपने मित्र सौरभ के साथ परीक्षा की तैयारी पर चर्चा करते हुए संवाद को 50-60 शब्दों में लिखिए।

प्र०15 किसी संस्था को 'O+' रक्त की आवश्यकता है, इसके लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। (5)

अथवा

बेटियों के प्रति समानता की भावना जागृत करते हुए **बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ** विषय पर एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र०16 **दिए गए चित्र को देखकर और उससे संबंधित अपने विचारों को 25-30 शब्दों में लिखिए–** (5)